Discipline Specific Course

बी. ए.

BHL C-711A

द्विवेदी युगीन एवं छायावादी काव्य

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- द्विवेदीयुगीन एवं छायावाद साहित्य के परिपेक्ष्य का अनुशीलन कर पाएंगे.
- साहित्य के अध्ययन से तर्कशील एवं आलोचकीय दृष्टि का विकास होगा.
- साहित्यिक कृतियों की समीक्षा कर पाएंगे.
- कवियों के वैचारिक सरोकार का तुलनात्मक अध्ययन करेंगे.
- द्विवेदीयुगीन एवं छायावाद साहित्य के औचित्य को समझ सकेंगे.

निर्धारित पाठ्यक्रम: (इकाई-1, 2 से व्याख्या)

इकाई-1

- 1.मैथिली शरण गुप्त - साकेत (नवम सर्ग से चयनित 10 पद)
- दो वंशो में .....वैदेही
- विफल जीवन व्यर्थ .....कहे कोई
- उस रुदंती विरहणी.....सुवर्ण के
- सिद्ध सिलाओं ..... उच्च उदार
- जीवन के पहले.....पात-पात में
- वेदने तू भली बनी.....
- कहती मैं चातकि फिर बोल ....
- निरख सखी ये खंजन आये....
- हम राज्य लिए मरते हैं .....
- शिशिर न फिर गिरि वन में .....

2.जयशंकर प्रसाद - कामायनी (चिंता सर्ग, प्रारंभिक 10 पद)

इकाई-2

- सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' - राम की शक्ति पूजा (राग-विराग) सम्पा॰ राम विलास शर्मा, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
- सुमित्रानन्दन पंत - मौन निमंत्रण, एक तारा, नौका-विहार(तारापथ,सम्पा॰ सुमित्रानन्दन पंत, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

इकाई-3

- मैथिलीशरण गुप्त - साकेत का काव्य सौष्ठव, साकेत में आधुनिकता, गुप्त जी की राष्ट्रीय भावना, उर्मिला का विरह वर्णन।
- जयशंकर प्रसाद - कामायनी का महाकाव्यत्व, प्रसाद की काव्यगत विशेषताएँ, प्रसाद की सौन्दर्य चेतना।

इकाई-4

- सूर्यकान्त त्रिपाठी ‘निराला’ - राम की शक्ति पूजा का काव्य-सौष्ठव, निराला की काव्यगत विशेषताएँ, निराला की प्रगति चेतना।
- सुमित्रानन्दन पंत - पंत काव्य का विकास, पंत का प्रकृति-चित्रण, पंत का काव्य सौष्ठव

इकाई-5

द्रुत पाठ - द्रुत पाठ हेतु निर्धारित कवि-

- नाथूराम शर्मा ‘शंकर’,
- अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध,
- जगन्नाथ दास रत्नाकर,
- महादेवी वर्मा।

(इनके काव्य का सामान्य अध्ययन ही अपेक्षित है। इन पर दीर्घ उत्तरीय प्रश्न नहीं पूछे जायेंगे)

संदर्भ ग्रन्थ:

1. मैथिलीशरण गुप्त: व्यक्ति और काव्य - डॉ॰ कमला कान्त पाठक
2. मैथिलीशण गुप्त की काव्य साधना - उमा कान्त गोयल
3. साकेत: एक अध्ययन - डॉ॰ नगेन्द्र
4. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन - डॉ॰ द्वारिका प्रसाद सक्सेना
5. निराला की साहित्य साधना (भाग-2) - डॉ॰ राम विलास शर्मा
6. पंत का काव्य - प्रेम लता बाफना
7. महादेवी की काव्य चेतना - डॉ॰ राजेन्द्र मिश्र
8. महीयसी महादेवी - गंगा प्रसाद पाण्डेय
9. हरिऔध: जीवन और कृतित्व - मुकुन्द देव शर्मा
10. हरिऔध के महाकाव्य: वस्तु और शिल्प - डॉ॰ ज्ञान चन्द रावल